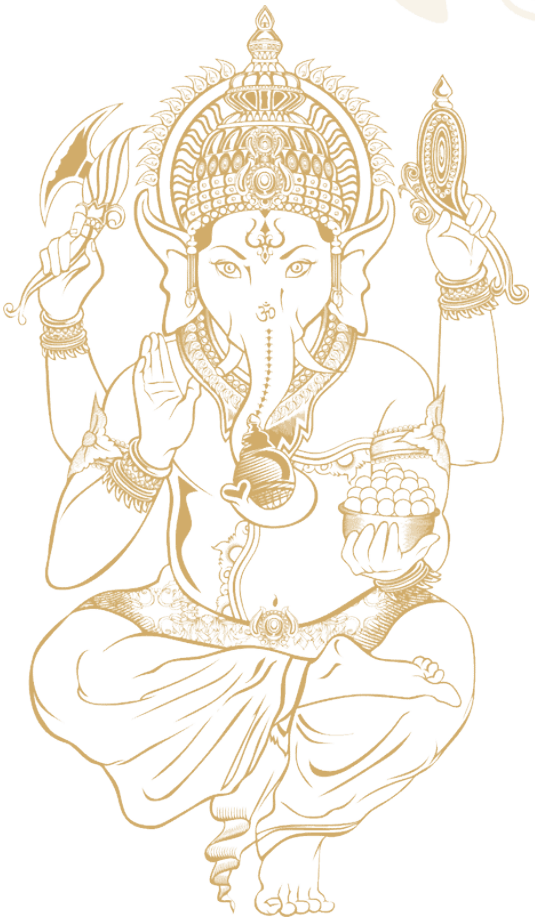

Muskan

14 Jan 2002

02:00 PM

Saran

Model: web-freekundliweb

Order No: 121172006

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**14/01/2002**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**14:00:00 घंटे**
इष्ट	18:42:47 घटी
स्थान	**Saran**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:29:00 उत्तर
रेखांश	86:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:15:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:15:16 घंटे
वेलान्तर	-00:08:57 घंटे
साम्पातिक काल	21:49:49 घंटे
सूर्योदय	06:30:53 घंटे
सूर्यास्त	17:16:46 घंटे
दिनमान	10:45:53 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	00:06:46 मकर
लग्न के अंश	15:46:43 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वज्र
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जी-जीविका
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	15:46:43	365:53:14	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	---
सूर्य			मक	00:06:46	01:01:08	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			मक	09:06:00	12:17:21	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	सम राशि
मंगल			मीन	02:45:48	00:43:48	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मित्र राशि
बुध			मक	18:49:02	00:44:55	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
गुरु	व		मिथु	15:00:58	00:07:36	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	00:04:57	01:15:28	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	मित्र राशि
शनि	व		वृष	14:42:49	00:02:40	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	03:09:44	00:03:53	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	03:09:44	00:03:53	मूल	1	19	गुरु	केतु	सूर्य	उच्च राशि
हर्ष			मक	29:14:16	00:03:08	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप			मक	14:02:38	00:02:14	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	22:36:41	00:01:56	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	01:17:29	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:52

लग्न-चलित

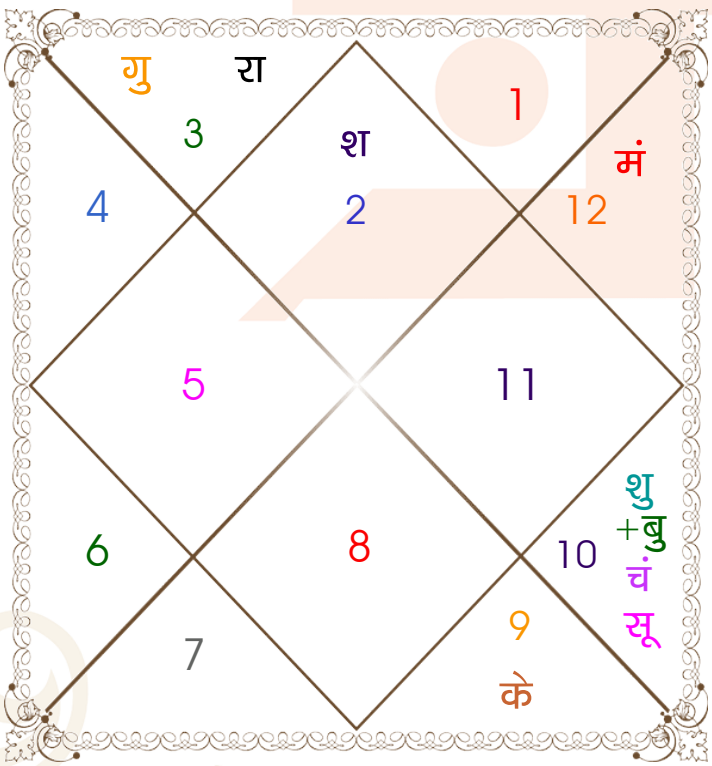

चन्द्र कुंडली

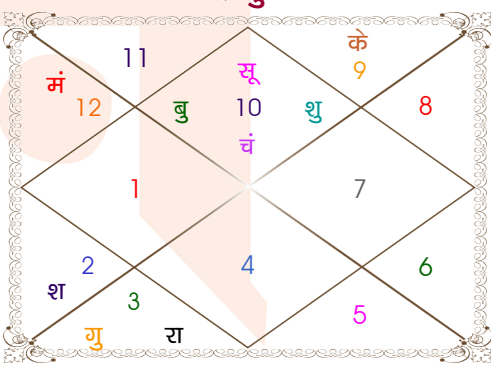

नवमांश कुंडली

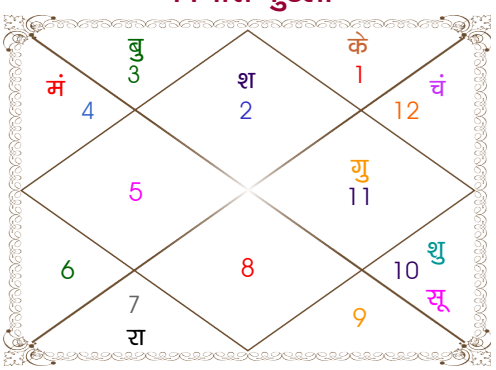

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 4 मास 26 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
14/01/2002		11/06/2002		11/06/2012		11/06/2019		11/06/2037	
11/06/2002		11/06/2012		11/06/2019		11/06/2037		11/06/2053	
	00/00/0000	चंद्र	11/04/2003	मंगल	07/11/2012	राहु	21/02/2022	गुरु	30/07/2039
	00/00/0000	मंगल	10/11/2003	राहु	25/11/2013	गुरु	17/07/2024	शनि	09/02/2042
	00/00/0000	राहु	11/05/2005	गुरु	01/11/2014	शनि	24/05/2027	बुध	17/05/2044
	00/00/0000	गुरु	10/09/2006	शनि	11/12/2015	बुध	10/12/2029	केतु	23/04/2045
	00/00/0000	शनि	11/04/2008	बुध	07/12/2016	केतु	29/12/2030	शुक्र	23/12/2047
	00/00/0000	बुध	10/09/2009	केतु	05/05/2017	शुक्र	29/12/2033	सूर्य	10/10/2048
	00/00/0000	केतु	11/04/2010	शुक्र	05/07/2018	सूर्य	22/11/2034	चंद्र	09/02/2050
	14/01/2002	शुक्र	11/12/2011	सूर्य	10/11/2018	चंद्र	23/05/2036	मंगल	16/01/2051
शुक्र	11/06/2002	सूर्य	11/06/2012	चंद्र	11/06/2019	मंगल	11/06/2037	राहु	11/06/2053

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
11/06/2053		11/06/2072		11/06/2089		11/06/2096		12/06/2116	
11/06/2072		11/06/2089		11/06/2096		12/06/2116		15/01/2122	
शनि	14/06/2056	बुध	07/11/2074	केतु	07/11/2089	शुक्र	11/10/2099	सूर्य	29/09/2116
बुध	22/02/2059	केतु	04/11/2075	शुक्र	07/01/2091	सूर्य	11/10/2100	चंद्र	31/03/2117
केतु	02/04/2060	शुक्र	04/09/2078	सूर्य	15/05/2091	चंद्र	12/06/2102	मंगल	06/08/2117
शुक्र	02/06/2063	सूर्य	12/07/2079	चंद्र	14/12/2091	मंगल	12/08/2103	राहु	30/06/2118
सूर्य	14/05/2064	चंद्र	10/12/2080	मंगल	11/05/2092	राहु	12/08/2106	गुरु	18/04/2119
चंद्र	13/12/2065	मंगल	07/12/2081	राहु	30/05/2093	गुरु	12/04/2109	शनि	30/03/2120
मंगल	22/01/2067	राहु	26/06/2084	गुरु	05/05/2094	शनि	12/06/2112	बुध	04/02/2121
राहु	28/11/2069	गुरु	02/10/2086	शनि	14/06/2095	बुध	12/04/2115	केतु	12/06/2121
गुरु	11/06/2072	शनि	11/06/2089	बुध	11/06/2096	केतु	12/06/2116	शुक्र	15/01/2122

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 4 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में जिस समय हुआ जब मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ लग्न, बृषभ नवमांश एवं कन्या द्रेष्काण उदित था। इस दृश्य से यह सूचित हो रहा है कि आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम होकर आपके जीवन के लिए अति सुखद वातावरण में शांतिपूर्ण, जीवन शैली, संपन्नता से युक्त होकर जीवन के कार्यों को संपादन करने का सौभाग्य प्रदान किया है। यथेष्ठ धघ्नादि प्राप्ति हेतु आपको कठिन श्रम, एवं पूर्ण साहस से कार्य संपादन करना होगा। यदि आप अपने कार्य या उद्देश्य के प्रति बहक जाएंगी या जी चुरायेंगी तो प्रचूर मात्रा में यथेष्ठ धन प्राप्ति में कोई प्रश्न चिन्ह लग जाएगा।

आपको व्यक्तिगत रूप से सावधानी पूर्वक अपनी योजना का कार्यान्वयन निश्चित समय पर करना चाहिए। क्योंकि आप अपनी योजना की निश्चित सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी दशा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या गलत संपादन नहीं करना चाहती हैं। आप किसी भी दशा में शीघ्रता पूर्वक कोई निर्णय नही लेती हैं। यद्यपि आप किसी भी विधेयक (प्रस्ताव) को सुंतुलित करके सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे प्रारंभ करती हैं। परंतु आप एक बार पूर्ण रीति से जो तय कर लेती हों उसके अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास जारी रखती हैं।

पुनः आप सुंदर एवं समुचित लाभांश प्राप्त करने के लिए उचित मात्रा में अपनी संपत्ति लगाती हैं, तथा जनसामान्य की दृष्टि से अपनी प्रतिष्ठा बचाकर निश्चित समय पर उद्देश्यित लाभ प्राप्त कर लेती हैं।

क्योंकि आप यह जानती हैं कि धन प्राप्त करने के लिए कठिन काम पड़ता हैं तथा अत्यधिक सावधानी पूर्वक संबंधित कार्य में धन लगाती हैं। आप मात्र अनुदार (कंजूसी) भावना की महिला नही हैं। बल्कि आप हर क्षण सच्चाई के रास्ते से धन प्राप्ति की बिंदु पर सचेष्ट रहती हैं।

स्वाभाविक रूप से आप शांति पूर्वक प्रेम करने वाली प्राणी हैं। आप चंदन की तरह रहने वाली तथा पीछे मुडकर नहीं देखती हैं। परंतु यदि पीछे से कोई आपको उत्तेजित कर दें तो पुनः पलटकर उसके पीछे अपनी संपूर्ण शक्ति लगा देते हैं। आप अलग से किसी के साथ शत्रुता नही चाहती यदि कोई आपके साथ क्षणिक शत्रुता करता है तो आप शीघ्र ही उसे भुला देते हैं। यदा-कदा जब आपकी हिंसात्मक प्रवृत्ति हो जाती है, उस क्षण आप अपनी अभिरूचि के अनुसार परिस्थिति को किसी मोड़पर लाकर छोड़ देना उत्तम समझती हैं।

आप में प्रसन्नतम व्यक्तित्व विद्यमान है। आप शारीरिक रूप से स्थूल काय की प्राणी हैं तथा आपकी परिस्थिति वर्त्तमान काल में कोई सामंजस्य के योग्य नही लगती है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सदैव ही आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं बहुत अच्छा रहेगा। आप बहुत दिनों तक अपने आनंददायक जीवन की प्रसन्नता से युक्त, रोगरहित, शक्ति संपन्न एवं दीन दुखियों की सहायक होंगी।

आप, सर्दी, कफ, गले के संक्रमण रोग, एवं जोड़ों के दर्द से पीड़ित रह सकती हैं। आपके लिए संबंधित रोगादि में सतर्क रह कर समय-समय पर चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा।

आप जिस कार्य या व्यवसाय को प्रारंभ कर देंगी। उस कार्य में निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करेंगी। परंतु आप धीरे-धीरे उन्नति प्रदायक कार्य व्यवसाय का चुनाव करना चाहती हैं, तो होटल का कार्य, कृषि कार्य, बस, टैक्सी, ट्रांसपोर्ट, प्रोपर्टी डिलरशिप मोती, रत्नादि के कार्य और आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय करना आपके लिए अनुकूल होगा। आप हर दृष्टि कोण से एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपको अपने भाग्योन्नति हेतु अपनी योजना एवं कार्य कलाप का विचार पूर्वक प्रस्तुत एवं कार्यान्वित करने के लिए निम्नांकित बातों पर ध्यान देना चाहिए।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है। आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक हर दृष्टि कोण से प्रदोल्लित करने वाला एवं अनुकूल हैं।

अंक 5 आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल है।